शिक्षक – प्रशिक्षण संस्थामें शैक्षिक तकनिकी का उपयोग एवं शिक्षा का वैश्विक परिप्रेक्ष्य

दिलीपभाई जे. वसावा
सह अध्यापक
आणंद कॉलेज ओफ एज्युकेशन, आणंद (गुज.)
ईमेल : dilipvasava4meet@gmail.com

सारांश : प्रस्तुत प्रपत्र में शिक्षक–प्रशिक्षण संस्थान में तकनिकी का उपयोग और तकनिकी शिक्षा का वैश्विक प्ररिप्रेक्ष्य में क्या भूमिका है, यह चर्चा कि गई है । प्रवर्तमान समय में तकनिकी के उपयोग ने समग्र विश्व को Global Village एक में परिवर्तीत कर दिया है । तकनिको शिक्षको–प्रशिक्षण संस्था की एक जरुरत बन गई है । आज के इस ज्ञान क्रांति के युग में तकनिकी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है अतः यहा तकनिकी का अर्थ, शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान में तकनिकी का उपयोग, तकनिकी शिक्षा के संदर्भ में वैश्विक परिप्रेक्ष्य के लाभ, तकनिकी के उपयोग से होनेवाली समस्या और समाधान संबंधित प्रस्तुति इस प्रपत्र में की गई है ।

प्रस्तावना :

प्रवर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिक्षक–प्रशिक्षण संस्थाओं में तकनिकी का उपयोग जोर सोर से हो रहा है । वर्तमान समय को जानकारी एवं तकनिकी का युग भी कहा जाता है । तकनिकी शिक्षक–प्रशिक्षण संस्थाओं में शिक्षको को अध्ययन अध्यापन कार्य कर को सबल और सफल व आकर्षक बनाने में सहायरुप होती है । आज प्रशिक्षक एवं शिक्षक तकनिकी का उपयोग करता हैं जिनको कारण, विश्व समुदाय की संस्कृति, माध्यम, तकनिकी एवं प्रत्यापन माध्यमोने व्यक्ति – व्यक्ति के संबंधो को धनिष्ठ बनाया है यह शैक्षिक तकनिको का हि प्रभाव है । आज के प्रवर्तमान तकनिकी माध्यम इन्टरनेट, मोबाईल, रेडियो, टी.वी. टेलिफोन, टेलिविझन, कोम्प्युटर उपग्रह प्रसारण आदि इन तमाम उपकरणों के उपयोग ने किसी भी क्षेत्र को छोडा नहि है ।

अभ्यास का उद्देश्य :

प्रस्तुत अभ्यास को उद्देश्य निम्नलिखित है :

१. शिक्षक–प्रशिक्षण संस्था में उपयोग होने वाले तकनिकी के विभिन्न घटकों की खोज करना ।
२. पूरानी एवं नवीन तकनिकी की तुलना करना ।
३. तकनिकी सेवाओ की असर एवं समस्या को समझना ।
४. तकनिकी एवं शिक्षा को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में समझना ।

पध्धति एवं सामग्री :

प्रस्तुत अभ्यास विभिन्न तकनिकी आधारित पुस्तक एवं सामायिक में शोध प्रपत्र एवं इन्टरनेट के माध्यम से प्राप्त जानकारी के स्त्रोत का समावेश किया गया है ।

तकनिकी का अर्थ :

शैक्षणिक तकनिकी शिक्षण, प्रशिक्षण तथा शिक्षा की लगभग सभी महत्वपूर्ण क्रियाओ से सम्बन्धित है जैसे – अनुदेशनात्मक, उद्देश्योको निर्देशित करना अधिगम संबंधित, वातावरण की योजना बनाना, अधिराम सामग्री तैयार करना, यादि विस्तृत धारना युक्त है ।

''अधिगम तथा अधिगम की परिस्थितियों के वैज्ञानिक ज्ञान का उपयोग जब शिक्षा तथा प्रशिक्षण को सुधारने तथा प्रभावशाली बनाने में किया जाता है, उसे तकनिकी कहा जाता है।''

शिक्षक प्रशिक्षण संस्था में तकनिकी का उपयोग :

प्रवर्तमान समय में अध्ययन अध्यापन कार्य को आकर्षक बनाने के लिए शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान में तकनिकी का उपयोग किया जाता है । जिनके कहि उदाहरण इस प्रकार है ।

- P.T.C. DED के अभ्यास क्रम में कोम्प्युटर विषय को प्रधानता दि गई है । जिनके कारण प्रशिक्षणार्थो तकनिकी के माध्यम से विभिन्न जानकारी प्राप्त करके व्युह की शिक्षा को सुधार ने का प्रयास करती है ।
- B.Ed के प्रवर्तमान पाठ्य क्रम में कोम्प्युटर विषय को अनिवार्यरुप में स्विकार कीया गया है, जिनके कारण प्रशिक्षणार्थीओं को तनिकोका उपयोग करने में सरलता रहती है, तकनिको उपयोग करके पाठ अच्छे से है पाता है और अभ्यास संबंधित माहिती सरलता से प्रति करलेसा है ।
- M.Ed के पाठ्यक्रम में शोध संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए भी तकनिकी का खूब मात्रा में उपयोग होता है ।
- तेजगति से विश्वसनीय जानकारी प्राप्त करने के लिए तकनिकी का खूब उपयोग होता है ।
- शिक्षक–प्रशिक्षण संस्थानो में गुणवता सुधार के लिए तकनिकी का उपयोग होता है ।
- कार्यदक्षता प्रदान करने के लिए तकनिका प्रयोग किया जाता है ।
- समय और खर्च को बचाने के लिए तकनिकी का उपयोग अनिवार्य है ।
- पूनरावर्तन को टालने के लिए और सुविधा पूरी करने के लिए तकनिका उपयोग होता है ।

तकनिको शिक्षा के संदर्भ में वैश्विक परिप्रेक्ष्य के लाभ :

- आंरराष्ट्रिय स्तर पर योग्य रोजगार प्राप्त करने के लिए तकनिकी की महत्वपूर्ण भूमिका है ।
- शिक्षा एवं संस्कृति के आदान प्रदान के लिए तकनिकी महत्व पूर्ण माध्यम है ।
- वैश्विकीकरण के कारण ज्ञान की सरलता से आदान–प्रदान कीया जाता है, और वह तकनिकी के कारण ही संभव होता है ।
- आतर राष्ट्रीय स्तर पर शोध एवं शिक्षा प्राप्त करने के लिए ।
- आंतर राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ कोम्युनिकेशन के लिए ।
- खानगी क्षेत्र की कमिओ को दूर करने के लिए ।

शिक्षक–प्रशिक्षण संस्थान में तकनिकी के उपयोग की विभिन्न समस्या :

शिक्षक–प्रशिक्षण संस्थान में तकनिकी के उपयोग के लिए विभिन्न समस्या का सामना करना पड़ता है जो निम्न लिखित है :

- **संचालन की समस्या :**
  तकनिकी का योग्य संचालन करनेवाले कर्मचारी के अभाव के कारण इस समस्या का सामना करना पड़ता है ।
- **भागीदारी का अभाव :**
  तकनिकी के क्षेत्र में काम करनेवाले या जानकारी की बात करे तो प्रक्षिक्षणार्थी को तकनिकी की जानकारी नही होती इसलिए सहभागी नही हो पाते है इस लिए यह एक समस्या है ।
- **प्रशिक्षित कर्मचारी का अभाव :**
  सभी प्रशिक्षण संस्थामें प्रशिक्षित कर्मचारी उपलब्ध नहि होता है इस लिए भी तकनिकी के संचालनमें कमि आति है ।
- **आर्थिक अभाव :**
  सभी शिक्षक–प्रशिक्षण संस्थाओं में आर्थिक सहायता तकनिकी के लिए प्रदान नही की जाती है इसलिए भी तकनिकी का प्रभावी ढंग से उपयोग नही होता ।
- **तकनिकी कार्य–क्रम का अभाव :**
  शिक्षक प्रशिक्षण संस्था में तकनिकी कार्यक्रमों का अभाव होता है इसलिए यह समस्या है ।

- **तकनिकी के स्त्रोत पसंदगी का अभाव :**
  तकनिकी के जो स्त्रोत है उनका अभ्यासक्रम में अयोग्य चूनाव के कारण भी समस्या होती है ।

- **शिक्षक–प्रशिक्षण संस्थान में तकनिकी के उपयोग की समस्या का समाधान :**
  - शिक्षक प्रशिक्षण संस्था में योग्य तकनिकी संचालन करना चाहिए और होनेवाले लाभ की जानकारी देना चाहिए ।
  - शिक्षक–प्रशिक्षण संस्था में ज्यादा से ज्यादा प्रशिक्षणार्थीओं को सहभागी करे ।
  - शिक्षक–प्रशिक्षण संस्थान के आर्थिक सहायता प्रदान करे ।
  - शिक्षक–प्रशिक्षण संस्थान में तकनिकी कार्यक्रम उपलब्ध कराए ।

संदर्भ सूचि :

- भट्टाचार्य डॉ. जी.सी. 2010 अध्यापक शिक्षा, अग्रवाल पब्लिकेशन स. आगरा–2
- कुमार सुमित एवं अन्य, २०१७ शिक्षाशास्त्र, अरहिंत पब्लिकेशन मेरठ ।
- Wikipedia 2018 Information and Communication Technology.